The import of cables is restricted to types which are not being manufactured or are not manufactured in adequate quantities by the indigenous manufacturers.

Government have permitted manufacturers' to diversify into any "new article" upto 25% of the licensed capacity without a licence subject to certain conditions.

(e) No Sir.

कुछ राज्यों के विधायकों की 5वीं विचार गोष्ठी में विधान मंडलों के कृत्यों पर विचार-विमर्श

4961. **श्री मोलहू प्रसाद** : क्या **विधि तथा समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश के विधायकों तथा दिल्ली महानगर परिषद के पार्षदों की अक्तूबर, 1969 में हुई पांचवीं विचार-गोष्ठी में लोकतन्त्र में विधान मंडलों के कृत्यों पर विचार किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो किस-किस विभाग के किन-किन लोगों ने उक्त विचार गोष्ठी में भाग लिया था और उनके पद-नाम तथा पते क्या हैं ;

(ग) इस विचार-गोष्ठी का आयोजन किस संस्था ने किया था और उस पर मदवार कितना-कितना खर्च हुआ; और

(घ) उक्त विचार गोष्ठी में व्यक्त किये गये मतों का ब्यौरा क्या है और किन-किन बातों पर मतैक्य रहा?

विधि तथा समाज कल्याण मन्त्रालय में उप-मंत्री (श्री मु० यूनस सलीम) : (क) से (घ). यह प्रश्न प्रत्यक्ष रूप से लोक सभा में प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम के नियम 41 के उपनियम (2) के खण्ड (VII) और खण्ड (XVI) के क्षेत्र में आता है और इस लिए सरकार के पास इस विषय में कोई भी जानकारी नहीं है ।

अंधे तथा विकलांग बच्चों के लिए विश्व संगठनों द्वारा सहायता

4962. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या **विधि तथा समाज कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों ने अंधे तथा विकलांग बच्चों को सहायता देने के बारे में घोषणा की है ;

(ख) यदि हां, तो किन देशों ने उक्त घोषणा के बारे में सहमति प्रकट की है; और

(ग) इस सम्बन्ध में योजना की रूप रेखा क्या है ?

विधि मन्त्रालय और समाज कल्याण विभाग में राज्य मंत्री [डा० (श्रीमती) फूलरेणु गुह] : (क) ऐसी किसी घोषणा के बारे में हमें सूचना नहीं मिली है ।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठते ।

राउरकेला उर्वरक कारखाने में तैयार होने वाले उर्वरकों के अधिक मूल्य

4963. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राउरकेला उर्वरक के मूल्य हमेशा अधिक होते हैं क्योंकि नेफथा बहुत दूर से लाना पड़ता है और वहां उसका मूल्य 120 रुपये की बजाय 250 रुपये प्रति मीटरी टन है और एक कारण यह भी है कि अमोनियम नाइट्रेट नम जलवायु के कारण पिंडरूप धारण कर लेता है और उर्वरक तैयार करने के बाद जो कचरा माल बच जाता है उसका फिर से उपयोग नहीं किया जा सकता; और

(ख) यदि हां, तो इस कारखाने को लाभ पर चलाने, नेफथा को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने और नम जलवायु के अनुकूल कुछ

वस्तुओं का उत्पादन करने के लिये सरकार द्वारा क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) बरौनी में नैफ्था का मूल्य 121 रुपये प्रति टन है और रेल भाड़ा, उत्पादन शुल्क और केन्द्रीय बिक्री कर आदि के कारण राउरकेला में इसका मूल्य लगभग 214 रुपये प्रति टन हो जाता है । अतः दूरी के कारण उत्पादन लागत में वृद्धि हो जाती है । फिर भी 18 मई, 1969 से जब एक विस्फोट के कारण नैफ्था रिफार्मिंग यूनिट के रिफार्मर फर्नेस को क्षति पहुंची थी, उर्वरक कारखाने में नैफ्था का प्रयोग नहीं किया गया है । अतः इस समय इस कारण से कोई अन्तर नहीं पड़ रहा है ।

राउरकेला के उर्वरक कारखाने में अन्तर्-क्रिया पदार्थ के रूप में अमोनियम नाइट्रेट बनता है जिसे ठोस बनने से बचाने का ध्यान रखा जाता है तथा कैलशियम अमोनियम नाइट्रेट बनाने के लिए इसमें पिसा हुआ चूना पत्थर मिलाया जाता है ।

(ख) राउरकेला में नैफ्था के अधिक मूल्य पर विचार किया गया है और इस अधिक मूल्य के बावजूद भी आशा है कि नैफ्था रिफार्मिंग यूनिट की मरम्मत हो जाने के बाद जब पूरी क्षमता पर उत्पादन होने लगेगा तब राउरकेला उर्वरक कारखाना लाभ अर्जित करेगा ।

इस्पात कारखानों में हाईड्रोजन गैस के स्थान पर एल० एस० जी० डी० तेल का प्रयोग

4964. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस्पात कारखानों में ईंधन के रूप में प्रयोग की जा रही हाईड्रोजन गैस के स्थान पर एल० जी० डी० तेल का प्रयोग करने तथा उर्वरक तैयार करने के लिये इस गैस का प्रयोग करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : संभवतः माननीय सदस्य का अभिप्राय कोक ओवनगैस से है जिसमें हाइड्रोजन होती है । राउरकेला में, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोक ओवन गैस की कमी से इस्पात कारखाने या उर्वरक कारखाने के सामान्य परिचालन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, स्लैब री-हीटिंग फरनेसों में कोक ओवन गैस के प्रयोग के बजाय फरनेस आयल प्रयोग करने की सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है । भिलाई और दुर्गापुर कारखानों के सभी एककों को ईंधन की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए भी फरनेस आयल का प्रयोग करने का विचार है ।

राउरकेला में कोक ओवन गैस पर आधारित एक उर्वरक कारखाना है जहां से हाईड्रोजन प्राप्त की जाती है । हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड के दूसरे दो कारखानों के लिए ऐसे कोई प्रस्ताव नहीं हैं ।

घटिया किस्म के सीमेंट और सीमेंट की कम मात्रा वाली सीमेंट की बोरियों की बिक्री

4965. **श्री प० ला० बारूपाल** : क्या **औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विभिन्न सीमेंट कारखानों की सीमेंट की ऐसी बोरियां अभिकर्ताओं द्वारा बेची जा रही हैं, जिनमें सीमेंट अपेक्षित मात्रा में नहीं होता;

(ख) क्या यह भी सच है कि आजकल कारखानों में जो सीमेंट बनाया जा रहा है, वह पहले वाले सीमेंट की तुलना में कमजोर है;

(ग) क्या यह भी सच है कि राजस्थान नहर के निर्माण में इसी घटिया किस्म की सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है और श्री-